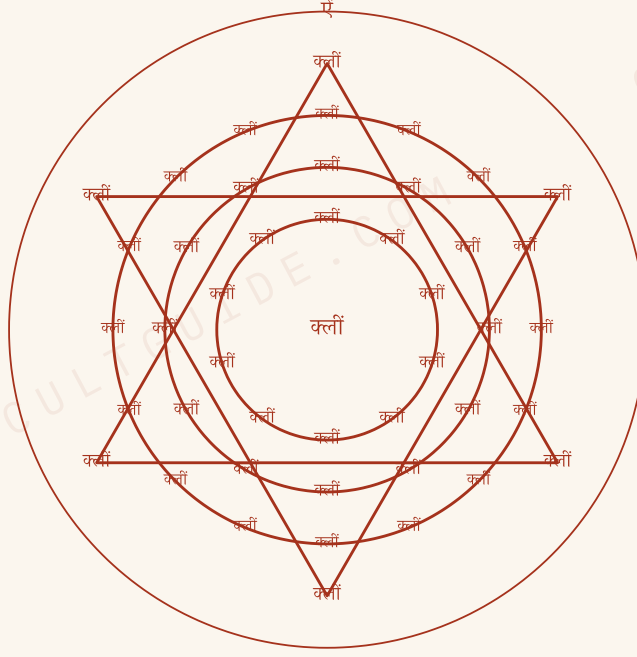


मन्त्रमहोदधिः



केन्द्र — काम-बीज "क्लीं"

प्रथम वृत्त — दस "क्लीं" से आवृत

द्वितीय वृत्त — बारह "क्लीं" से आवृत

तृतीय वृत्त — सोलह "क्लीं" से आवृत

षट्कोण — कोणों पर "क्लीं"

बाह्य परिवेष — वाग्बीज "ऐं" के मध्य में स्थित सम्पूर्ण यन्त्र

मोहनयन्त्रम्

© OccultGuide.com · CC BY-SA 4.0

The Mohana yantra: a klīm seed at the centre, encircled by three widening rings of ten, twelve and sixteen klīm, framed by a hexagon bearing klīm at its six corners, the whole set within the seed aiṃ.

मोहनयन्त्रः केन्द्र में काम-बीज "क्लीं", जिसे दस, बारह और सोलह क्लीं के तीन विस्तृत होते वृत्त घेरे हुए हैं, जिसके ऊपर छह कोणों पर क्लीं अंकित षट्कोण है, तथा यह सम्पूर्ण यन्त्र वाग्बीज "ऐं" के मध्य में स्थित है।

Drawn from the text's own construction rule. The verse, with its Sanskrit, word-by-word gloss and translation, is at

<https://occultguide.com/scripture/mantra-mahodadhi/tarangas-taranga-eighteen-the-exposition-of-the-kalaratri-and-candi-mantras#fig-v63>